4. नन्हा फ़नकार

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
उकेरना	= नक्काशी करना	पुश्तैनी	= पैतृक (पीढ़ियों से)
इत्मीनान	= भरोसा, विश्वास शांति	आहिस्ता	= धीरे से
उत्सुकता	= बेचैनी, अधीरता	मींचकर	= आँखें बंद करके
फ़नकार	= कलाकार	सल्तनत	= साम्राज्य
लाड़ला	= बहुत प्यारा, प्रिय	वयस्क	= सयाना
मुआयना	= जाँच-पड़ताल	तल्खी	= कड़वापन, कटुता
जुर्रत	= साहस, हिम्मत	बदहवासी	= घबराहट
दखलंदाज़ी	= हस्तक्षेप, बीच में बोलना	मँझोला	= बीच का
छितरना	= बिखरना, फैलना	अँगरखा	= एक लंबा बंददार पहनावा
अनमने	= बेमन से, उदास भाव से	महीन	= बारीक
नफ़ीस	= उम्दा, बढ़िया		

असमंजस = समझ में न आना कि क्या करें या क्या न करें।

माशा अल्लाह = जो अल्लाह चाहे, क्या कहना (किसी की तारीफ़ में कही जाने वाली बात)

संगतराश = पत्थर को तराशने कुछ बनाने वाला

अतिरिक्त प्रश्नोत्तर :-

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(i) लड़के का नाम और उम्र क्या थी? वह क्या कर रहा था?

.....

.....

(ii) केशव के काम की तारीफ़ किसने की?

(iii) केशव का पुश्तैनी गाँव कहाँ था? उसके माता-पिता आगरा क्यों आए?

(iv) अकबर किससे, क्या सीखना चाहते थे?

(v) अकबर के कितने बेटे थे और उनके नाम क्या थे?

2. किसने, किससे कहा?

	किसने	किससे
(i) "केशव, क्या तुम मुझे नक्काशी करना सिखाओगे?"	.....	.....
(ii) "नहीं ... नहीं ... मेरा मतलब यह नहीं था।"	.....	.....

3. वाक्य बनाओ :-

क) इंतज़ार (अर्थ - प्रतिक्षा) -
ख) पुश्तैनी (अर्थ - दादा परदादा का) -
ग) हुक्म (अर्थ - आदेश) -
घ) उलझन (अर्थ - परेशानी) -
ङ)कौतुहल (अर्थ - उत्साह) -

**** Do everything in your Hindi Literature copy.**